हडिन नदी में प्रदूषण

स्रोत: डाउन टू अर्थ

यमुना की वर्षा आधारित **सहायक** नदी हडिन **नदी अनुपचारित अपशिष्ट** के नाले में बदल गई है, जो **पर्यावरणीय क्षरण का** प्रतीक है तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसके औद्योगिक क्षेत्र के समुदायों के लिये खतरा उत्पन्न कर रही है।

- हडिन नदी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर ज़िले में **निम्न शिवालिक श्रेणी** से निकलती है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से होकर बहती है तथा नोएडा में **यमुना में मिलने से पहले 400 किलोमीटर की दूरी तय करती है।**
- नदी की प्रमुख सहायक नदियों में शामिल हैं: **काली (पश्चिमी) नदी और कृष्णी नदी।**
- ऐतिहासिक रूप से, हडिन नदी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में**कृषि** और **मत्स्य पालन के लिये उपयोगी रही है। लेकिन औद्योगिकीकरण** तथा **शहरीकरण ने** इसके पारिस्थितिक संतुलन को नष्ट कर दिया है।
- वर्ष 2015 में **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने** हडिन नदी को "**मृत नदी**" घोषित कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि इसमें प्रदूषण का स्तर अत्यधिक है, विभिन्न भागों में यह स्नान के लिये अनुपयुक्त है।
    - मृत नदी वह जल निकाय है जो अत्यधिक प्रदूषण या पर्यावरणीय क्षरण के कारण**जलीय जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को सहारा देने की अपनी क्षमता खो चुकी है।**

//

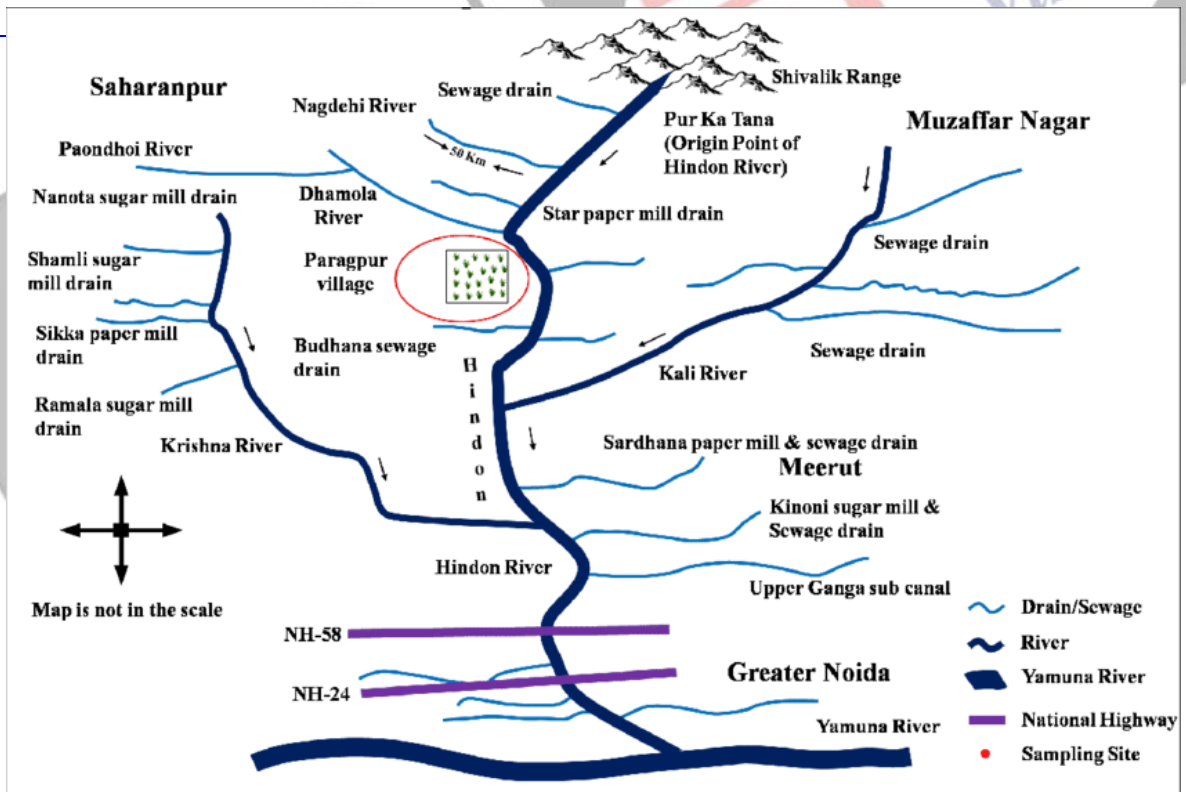

और पढ़ें...

यमुना नदी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pollution-in-hindon-river